

V

05.07.22 पत्रावली पेश हुई। मध्यरात्रि मपीलांत
मनुपस्थित। न्यायालय समय तक
रुक-रुक कर भावाजे विलाई
गई। लावजूद खूना मनुपस्थित
लिहाजा मपील मपीलांत मदत
हाजरी एवं मदत जैसी में खाफि
की जाती है। पत्रावली के शल शुमार
नंबर से कम होकर बाद तक मील
हाजिल दफतर ही। मादेशा सर इजलाहा
सुनाया गया। मधीन स्व न्यायालय
का मभिलेख मय मादेशा प्रति
के लौरामा जावे।

Jain
राजस्व अपील प्राधिकारी
बाडमेर